मूर्ति देवी पुरस्कार की घोषणा

भूमिका:- साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष और जाने माने कवि आलोचक डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी को प्रतिष्ठित 33 वाँ मूर्ति देवी पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

प्रमुख बातें:-

01) भारतीय ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद ने बताया कि प्रो. सत्यव्रत शास्त्री की अध्यक्षता में हुई निर्णायक मंडल की बैठक में डॉ तिवारी को उनकी कृति- 'अस्ति व भवति' के लिए पुरस्कार देने का निर्णय किया गया है।

02) 20 नवंबर 1940 को जन्मे डॉ तिवारी लंबे वक्त तक गोरखपुर विश्वविद्यालय से जुड़े रहे।

03) वह साहित्यिक पत्रिका 'दस्तावेज' के संपादक भी हैं। इसके अलावा तिवारी ने साहित्य अकादमी के अध्यक्ष पद का जिम्मा भी संभाला है।

04) डॉ तिवारी को महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार, व्यास सम्मान, हिन्दी गौरव सम्मान, पुश्किन सम्मान आदि मिल चुके हैं।

15 वें वित्त आयोग की रिपोर्ट

भूमिका:- वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 15वें वित्त आयोग ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को सौंप दी है। आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने राष्ट्रपति को रिपोर्ट शामिल सिफारिशों की जानकारी भी दी। सरकार आयोग की सिफारिशों को सार्वजनिक करने का फैसला बाद में लेगी। सूत्र बताते हैं कि पहले इसे संसद में पेश किया जाएगा।

प्रमुख बातें:-

01) सरकार ने 27 नवंबर 2017 को 15वें वित्त आयोग का गठन किया था। उस वक्त इसे 2020 से 2025 के लिए अपनी सिफारिशें देना तय हुआ था। लेकिन इसी वर्ष 27 नवंबर को सरकार ने एक अधिसूचना जारी करके 30 नवंबर 2019 तक पहली रिपोर्ट 2020-21 के वित्त वर्ष के लिए देना तय किया था। इसके बाद आयोग 2021 से 2026 तक की अवधि के लिए अपनी दूसरी रिपोर्ट में सिफारिशें देगी। इस तरह आयोग कुल छह वर्ष के लिए सरकार को सिफारिश देगा।

02) अभी तक वित्त आयोग 5 वर्ष की अवधि के लिए अपनी रिपोर्ट तैयार करता आया है। इसी प्रक्रिया में सरकार ने आयोग का कार्यकाल भी 30 अक्टूबर

2020 तक के एक साल और बढ़ा दिया था।

03) आयोग केन्द्र और राज्यों के बीच टैक्स व अन्य संसाधनों के बंटवारे का फार्मूला तय करता है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण

भूमिका:- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण विधेयक, 2019 को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 25 नवंबर को लोकसभा में पेश किया गया है। इस विधेयक में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय में वित्तीय सेवा बाजार को विनियमित करने का प्रावधान है। भारत में वित्तीय सेवा केन्द्र।

प्रमुख बातें:-

01) प्राधिकरण में नौ सदस्य होंगे, जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

02) प्राधिकरण के अध्यक्ष के अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, (SEBI), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI), और पेंशन फंड नियामक और प्रत्येक सदस्य विकास प्राधिकरण (PFRDA): और वित्त मंत्रालय के दो सदस्य इस प्राधिकरण में होंगे।

03) एक खोज समिति की सिफारिश पर दो अन्य सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी। IFSC प्राधिकरण के सभी सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा, जो पुनर्नियुक्ति के अधीन होगा।

04) प्रस्तावित प्राधिकरण वित्तीय उत्पादों जैसे कि प्रतिभूतियों, जमा या बीमा, वित्तीय सेवाओं, और वित्तीय संस्थानों के अनुबंधों को विनियमित करेगा, जिन्हें पहले से किसी RBI या सेबी जैसे उचित नियामक द्वारा अनुमोदित किया गया है, एक IFSC में।

भारत-फिलिस्तीन टेक्नो पार्क

भूमिका:- भारत ने फिलिस्तीन-भारत टेक्नो पार्क के निर्माण के लिए 3 मिलियन डॉलर की राशि जारी की है।

प्रमुख बातें:-

01) भारत ने फिलिस्तीन में क्षमता निर्माण के व्यापक ढांचे के हिस्से के रूप में 12 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध किया है।

02) भारत सरकार छमाही आधार पर 3 मिलियन डॉलर का भुगतान करती है।

03) एक बार जब टेक्नोपार्क पूरा हो जाता है, तो यह फिलिस्तीन में एक आईटी हब के रूप में पूर्ण आईटी सुविधाओं के साथ काम करेगा, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्रदान करके, आईटी कंपनियों की मेजबानी करके सभी आईटी-संबंधित सेवा आवश्यकताओं के लिए एक-स्टॉप, विश्वविद्यालय और समाधान प्रदान करेगा। विदेशी कंपनियां स्थानीय व्यापार, विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों को लाभ पहुँचा रही है।

04) वर्ष 2017 में, यह टेक्नो पार्क विज्ञान और प्रौद्योगिकी पार्कों के वैश्विक नेटवर्क इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ साइंस पार्क एंड इनोवेशन (IASP) का सदस्य बन गया।

चौथा भारत जल प्रभाव शिखर सम्मेलन

भूमिका :- जल शक्ति के केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में चौथा जल प्रभाव शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। 2019 में, शिखर सम्मेलन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल संसाधनों के एकीकृत प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना है। शिखर सम्मेलन में, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ पानी से जुड़ी सबसे बड़ी समस्याओं पर चर्चा करते हैं।

प्रमुख बातें:-

01) यह आयोजन विज्ञान भवन में 5 से 7 दिसंबर तक आयोजित किया गया था।

02) अब तक विकसित की गई एम्बेसडरों की बैठक, नदी पुनर्स्थापन और संरक्षण पर रिपोर्ट और सी गंगा हब पर निर्देशिका और जिन्हें जल शक्ति मंत्रालय ने जारी किया था।

03) इस शिखर सम्मेलन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल संसाधनों के एकीकृत प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया, और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विभिन्न पानी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

04) शिखर सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य स्मार्ट शहरों में पानी के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वैश्विक वित्तीय निवेशकों और संस्थानों को एक साथ लाना था।

05) थीम- फाइनेंसिंग ऑफ हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स इन द वाटर सेक्टर है।

06) जैसा कि ज्ञात है कि जल सुरक्षा एक वैश्विक मुद्दा है, नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (NMCG) पृथ्वी पर सबसे कीमती संसाधन को बचाने के लिए दुनिया भर के देशों को आमंत्रित करने के लिए कार्रवाई करने के लिए वैश्विक कॉल कर रहा है।

• By. Pankaj Bodiya.